A–0296

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

PJ-102

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

(फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×26=52)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र के स्कन्धों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. मेष, सिंह, धनु राशियों का शुभाशुभ फल प्रतिपादित कीजिए।
3. लग्नादि द्वादश भावों का परिचय दीजिए।
4. चन्द्रमा की विंशोत्तरी महादशा फल का विवेचन कीजिए।
5. सूर्यादि ग्रहों से बनने वाले अरिष्टभंग योग का वर्णन कीजिए।

अथवा

पंचांग किसे कहते हैं ? उसके अंगों का परिचय विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूर्य से बनने वाले योगों का उल्लेख कीजिए।
2. उदाहरण सहित अरिष्ट योगों को लिखिए।
3. चन्द्रमा का द्वादश भावों में क्या फल है लिखिए ?
4. बुध का द्वादश राशियों का फल कथन विवेचन कीजिए।
5. ग्रहों के कारकत्व का परिचय दीजिए।
6. नवग्रहों के कारकत्व का परिचय दीजिए।
7. राशि एवं नक्षत्र का क्या सम्बन्ध है ? वर्णन कीजिए।
8. भंद्र एवं हंस योग का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

****